

दिल्ली राजपत्र
Delhi Gazette

असाधारण
EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 363]	दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 29, 2017/आश्विन 7, 1939	[रा.रा.रा.क्षे.दि. सं. 273
No. 363]	DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 29, 2017/ASVINA 7, 1939	[N.C.T.D. No. 273

भाग—IV

PART—IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली सरकार
GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

वित्त (राजस्व-1) विभाग

शुद्धिपत्र

दिल्ली, 28 सितम्बर, 2017

सं. फा. 3(29)/वित्त (राज-1)/2017-18/डीएस-VI/636.—वित्त विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार की दिनांक 30 जून, 2017 को जारी अधिसूचना संख्या 13/2017-राज्य कर (दर), जोकि दिल्ली राजपत्र, भाग 4, असाधारण में दिनांक 30 जून, 2017 को प्रकाशित हुई थी, में, सारणी में, क्रम संख्या 2 में, कॉलम (2) में, वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न को पढ़ा जाए —

(2)

“किसी व्यक्ति विशेष अधिवक्ता जिसके अंतर्गत कोई वरिष्ठ अधिवक्ता भी है या अधिवक्ताओं की फर्म, के द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विधिक सेवा के रूप में प्रदान की गई सेवाएं।

स्पष्टीकरण: -“विधिकसेवा” से विधि की किसी शाखा में किसी रीति में, किसी सलाह, परामर्श या सहायता के संबंध में उपलब्ध कराई गई कोई सेवा अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत किसी न्यायालय, अधिकरण या प्राधिकरण के समक्ष प्रतिनिधित्वकारी सेवाएं सम्मिलित हैं।”।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल
के आदेश से तथा उनके नाम पर,

ए. के. सिंह, उप-सचिव-VI (वित्त)

FINANCE (REVENUE-1) DEPARTMENT**CORRIGENDUM**

Delhi, the 28th September, 2017

No. F. 3(29)/Fin(Rev-I)/2017-18/DS-VI/636.—In the notification No. 13/2017-State Tax (Rate) dated the 30th June, 2017, published in Part IV of the Delhi Gazette Extraordinary dated 30th June, 2017, issued by the Finance Department, Government of National Capital Territory of Delhi, in the Table, in the row pertaining to serial number 2, in column 2, for—

(2)
“Services supplied by an individual advocate including a senior advocate by way of representational services before any court, tribunal or authority, directly or indirectly, to any business entity located in the taxable territory, including where contract for provision of such service has been entered through another advocate or a firm of advocates, or by a firm of advocates, by way of legal services, to a business entity.”,

read

(2)
“Services provided by an individual advocate including a senior advocate or firm of advocates by way of legal services, directly or indirectly. <i>Explanation.-</i> “legal service” means any service provided in relation to advice, consultancy or assistance in any branch of law, in any manner and includes representational services before any court, tribunal or authority.”.

By Order and in the Name of the Lt. Governor
of the National Capital Territory of Delhi,

A. K. SINGH, Dy. Secy. VI (Finance)